



Shubham



Sonam

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120926301

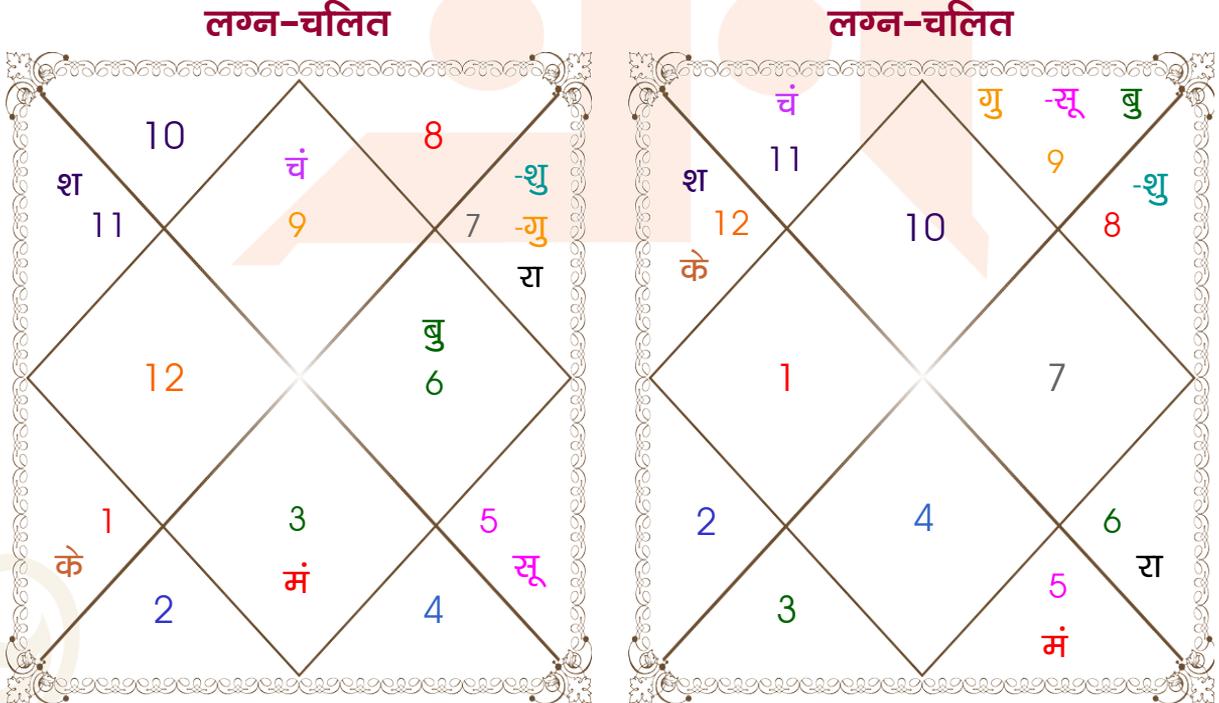
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14/09/1994 :	जन्म तिथि	: 17/12/1996
बुधवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 14:52:00 :	जन्म समय	: 10:05:00 घंटे
घटी 21:31:41 :	जन्म समय(घटी)	: 06:53:04 घटी
India :	देश	: India
Ellenabad :	स्थान	: Hissar
29:25:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:10:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:27:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:15:19 :	सूर्योदय	: 07:14:51
18:38:13 :	सूर्यास्त	: 17:31:41
23:47:12 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:54
धनु :	लग्न	: मकर
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
धनु :	राशि	: कुम्भ
गुरु :	राशि-स्वामी	: शनि
पूर्वाषाढा :	नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
3 :	चरण	: 3
सौभाग्य :	योग	: सिद्धि
गर :	करण	: विष्टि
फा-फारुख :	जन्म नामाक्षर	: दा-दामिनी
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
वानर :	योनि	: सिंह
मनुष्य :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाडी	: आद्य
मूषक :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 7वर्ष 0मा 8दि	19:39:56	धनु	लग्न	मक	13:40:05	गुरु 5वर्ष 1मा 14दि
राहु	27:33:10	सिंह	सूर्य	धनु	01:42:34	बुध
22/09/2024	21:59:04	धनु	चंद्र	कुंभ	29:03:49	31/01/2021
23/09/2042	24:17:59	मिथु	मंगल	सिंह	29:52:03	31/01/2038
राहु 05/06/2027	21:03:21	कन्या	बुध	धनु	22:01:42	बुध 30/06/2023
गुरु 29/10/2029	18:12:30	तुला	गुरु	धनु	27:59:36	केतु 26/06/2024
शनि 04/09/2032	11:32:45	तुला	शुक्र	वृश्चि	06:08:04	शुक्र 27/04/2027
बुध 24/03/2035	14:16:09	कुंभ व	शनि	मीन	06:57:50	सूर्य 02/03/2028
केतु 11/04/2036	22:41:30	तुला व	राहु व	कन्या	10:27:42	चन्द्र 02/08/2029
शुक्र 12/04/2039	22:41:30	मेष व	केतु व	मीन	10:27:42	मंगल 30/07/2030
सूर्य 05/03/2040	28:43:49	धनु व	हर्ष	मक	08:40:29	राहु 15/02/2033
चन्द्र 04/09/2041	26:52:40	धनु व	नेप	मक	02:29:25	गुरु 24/05/2035
मंगल 23/09/2042	01:55:44	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:02:36	शनि 31/01/2038

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

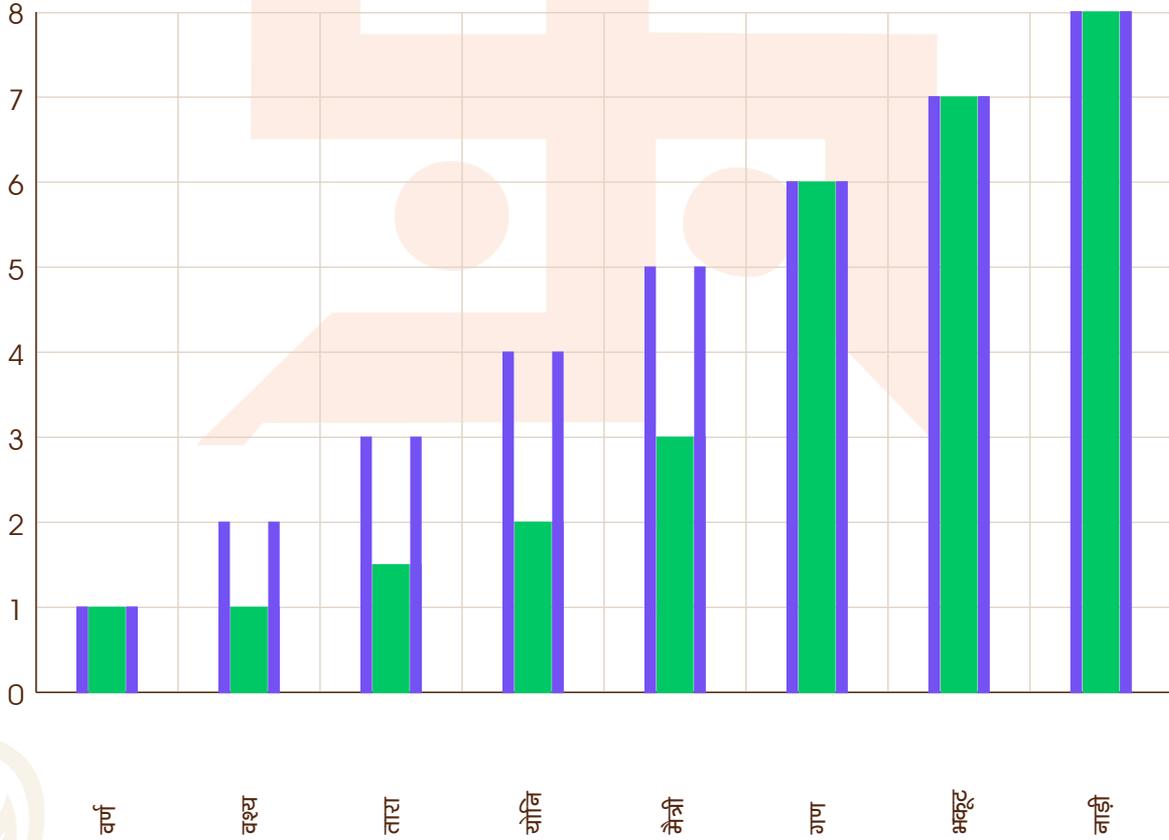
23:47:12 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:54



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

कुल : 29.5 / 36



अष्टकूट मिलान

रौनईउ का वर्ग मूषक है तथा Sonam का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार रौनईउ और Sonam का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

रौनईउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ॥**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि रौनईउ कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sonam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ॥

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ॥**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sonam कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ॥**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु रौनईउ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

रौनईउ तथा Sonam में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

नौनईउ का वर्ण क्षत्रिय तथा Sonam का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Sonam वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा नौनईउ से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

नौनईउ का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Sonam का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार नौनईउ एवं Sonam एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Sonam क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

नौनईउ की तारा प्रत्यरि तथा Sonam की तारा साधक है नौनईउ की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत नौनईउ कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Sonam को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

नौनईउ की योनि वानर है तथा Sonam की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में नैनीउ एवं Sonam दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

नैनीउ का गण मनुष्य तथा Sonam का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

नैनीउ से Sonam की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sonam से नैनीउ की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण नैनीउ अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sonam सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

नैनीउ की नाड़ी मध्य है तथा Sonam की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी

शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

मेलापक फलित

स्वभाव

ीनईउ की राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Sonam की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण ीनईउ और Sonam का दाम्पत्य संबंध सामान्य रहेगा तथा वैवाहिक जीवन की शुभता बनी रहेगी। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

ीनईउ की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Sonam की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहयोग करने में तत्पर रहेंगे ीनईउ और Sonam एक दूसरे की गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे पारिवारिक शांति बनी रहेगी।

ीनईउ और Sonam की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से ीनईउ और Sonam का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं संबंधों में भी मधुरता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व तथा स्वतंत्रता का सम्मान करेंगे तथा अनावश्यक रूप से एक दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे जिससे पारिवारिक शांति बनी रहेगी तथा सुखद क्षणों का उपभोग करने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदि ीनईउ और Sonam एक दूसरे के प्रति थोड़ी उदासीनता के भाव का त्याग करें तथा हार्दिक रूप से कार्य करें तो संबंध एवं जीवन अत्यंत ही मधुर हो सकता है।

ीनईउ का वश्य चतुष्पद तथा Sonam का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः ीनईउ और Sonam की अभिरुचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमें एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता में न्यूनता आएगी।

ीनईउ का वर्ण क्षत्रिय तथा Sonam का वर्ण शूद्र है। अतः ीनईउ की प्रवृत्ति पराक्रमी तथा साहसिक कार्यों के प्रति रहेगी परन्तु Sonam किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

ीनईउ और Sonam की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे ीनईउ और Sonam की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sonam एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

रौनईउ की नाड़ी मध्य तथा Sonam की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही रौनईउ भी हृदय संबंधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Sonam भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए रौनईउ और Sonam को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से रौनईउ और Sonam का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से रौनईउ और Sonam को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त रौनईउ और Sonam के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Sonam का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Sonam के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Sonam सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा रौनईउ और Sonam को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार रौनईउ और Sonam का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Sonam के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा

कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Sonam धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Sonam के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सुविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Sonam का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Sonam से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

नौनईउ के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा नौनईउ अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी नौनईउ का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में नौनईउ का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि नौनईउ तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में नौनईउ के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।